प्रश्न-.1.I. पाठ्य पुस्तक में से पर्यायवाची शब्द, शब्द-शुद्धि, संज़ा, सर्वनाम, कारक,विशेषण, क्रिया की पहचान, क्रिया-विशेषण से सम्बन्धित बहुवैकल्पिक उत्तरों वाले दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। 10x1 - 10

पर्यायवाची शब्द:-

लहर - तरंग, हिलोर
सिंधु - समुद्र, सागर, जलधि
संघर्ष - टकराव, युद्ध, लड़ाई
गगन - आकाश, नभ, अंबर
पुष्प - फूल, सुमन
ज्योति - आलोक,उजाला, प्रकाश
चुनौती - ललकार, आह्वान
पुरस्कार - इनाम, पारितोषिक
उपहास - मज़ाक, मखौल
भाग्य - किस्मत, लेख, तकदीर
प्रयत्न - कोशिश, प्रयास,
अंधकार -अँधेरा, तम, तमस्
मींह - बरसात, वर्षा, बारिश
दु:ख - पीड़ा, दर्द, कष्ट
ईश्वर - परमात्मा, प्रभु
नदी - सरिता, नद,तटिनी
मानव - इन्सान, मनुष्य
झण्डा - ध्वज, पताका
अमन - शांति, चैन
किरण - रश्मि, कर, मरीचि
दिन - दिवस, वासर, वार

नैया - नौका, किश्ती,नाव
उत्साह - साहस, जोश, हिम्मत
हिम्मत - जोश, साहस, हौसला
खुशी - प्रसन्नता, हर्ष, उल्लास
भाई - भ्राता, सहोदर
संसार - जग, विश्व, दुनिया,
सेवा - खातिरदारी, खिदमत,
दृढ़ता - प्रबलता, मज़बूती
अधिकार - हक, प्रभुत्व
मस्तिष्क - मगज़, दिमाग
पैर - पाँव, पग, चरण
लज्जित - शर्मसार, शर्मिंदा
सीख - शिक्षा, ज्ञान
आँख - नयन, नेत्र
प्रभात - सवेरा, सुबह
चरण - पैर, पाँव
शरीर - देह, काया
सैलानी - पर्यटक, यात्री
सूरज - सूर्य, दिनकर, भानु
हवा - वायु, पवन, समीर
पेड़ - वृक्ष, पादप, तरु

कोशिश - प्रयास, प्रयत्न,
आज़ादी - स्वतन्त्रता, मुक्ति
तड़ित - चपला, बिजली, विद्युत
घन - बादल, मेघ
मनुज - मानव, मनुष्य, मानुष
पथ - रास्ता, राह, मार्ग
अनूठा - अनोखा, निराला
हाथ - हस्त, कर, पाणि
शक्ति - ताकत, बल
लक्ष्य - उद्देश्य, निशाना, मंज़िल
अध्यापक - गुरु, उस्ताद,
जल - पानी, नीर, आब
जन - लोग, मनुज, मनुष्य
धरती - भूमि , धरा, भू
रात - रात्रि, निशा
किताब - पोथी, पुस्तक
मित्र - दोस्त, सखा
आज्ञा - आदेश, हुक्म
शहीदी - बलिदान, कुर्बानी
योद्धा - सैनिक, सिपाही
तमन्ना - इच्छा, कामना

शब्द-शुद्धि

1.शकतीशाली - शक्तिशाली
2. बहुमूलय - बहुमूल्य
3. घोषना - घोषणा
4. पुरसकार - पुरस्कार
5. सूदरिढ़ - सुदृढ़
6. मरितयु - मृत्यु
7. राखीयां - राखियाँ
8. विशमता- विषमता
9. पुश्प - पुष्प
10. खूशी - खुशी
11. रूलाई - रुलाई
12. हिरदय - हृदय
13. प्रन - प्रण
14. स्वाधिनता - स्वाधीनता
15. चुनोती - चुनौती
16. जालिम - ज़ालिम
17. कानुन - कानून
18. अनगिणत - अनगिनत
19. प्रिथक - पृथक
20. बुराईयाँ - बुराइयाँ
21. छुटियाँ - छुट्टियाँ
22. अभीवादन - अभिवादन
23. खेलकुद - खेलकूद
24. अधियापिका - अध्यापिका
25. परणाली - प्रणाली
26. परदर्शनी - प्रदर्शनी
27. थीयेटर - थियेटर
28. कारयालय - कार्यालय
29. पराचार्य - प्राचार्य
30. ब्रहमंड - ब्रह्माण्ड
31. द्रशक - दर्शक
32. अनुरोद - अनुरोध
33. म्यूजिक-म्यूज़िक
34. ज्ञानवरधक - ज्ञानवर्धक
35. दरासल - दरअसल
36. आपरेशन - ऑप्रेशन
37. शिश्टाचार - शिष्टाचार
38. पड़ाती - पढ़ाती
39. कीताब - किताब
40. हीमालय - हिमालय
41. सविकार - स्वीकार
42. चमतकार - चमत्कार
43. आँसु - आँसू
44. सुभाव - स्वभाव
45. विवहार - व्यवहार
46. वातसतय - वात्सल्य
47. विशवविदयालय - विश्वविद्यालय
48. इज़ाजत- इजाज़त

49. रस्ते - रास्ते | 50. धवज - ध्वज | 51. जशन - जश्न

52. वृदधी - वृद्धि | 53. जिदाबाद - ज़िन्दाबाद | 54. भुमिका - भूमिका

संज्ञा शब्द चुनकर सही का निशान (✓) लगाओ:-

डरकर	दाना (✓)	मोती (✓)	चींटी (✓)
जब	देखो	चढ़ना	हाथ (✓)
असफलता (✓)	सिंधु (✓)	साहस (✓)	तुम

प्रत्येक शब्द के आगे लिखो यह कौन सी संज्ञा है?

शेर	-	जातिवाचक संज्ञा	शकटार	-	व्यक्तिवाचक संज्ञा
लज्जा	-	भाववाचक संज्ञा	पिंजरा	-	जातिवाचक संज्ञा
गर्मी	-	भाववाचक संज्ञा	गुस्सा	-	भाववाचक संज्ञा
किशोर	-	जातिवाचक संज्ञा	दूत	-	जातिवाचक संज्ञा
पानी	-	जातिवाचक संज्ञा	मंदिर	-	जातिवाचक संज्ञा

नीचे दी गई जातिवाचक संज्ञा से संबंधित व्यक्तिवाचक संज्ञा लिखें:

राज्य (जातिवाचक संज्ञा) मगध, पंजाब

राजा (जातिवाचक संज्ञा) चन्द्रगुप्त, राणा प्रताप

लड़का (जातिवाचक संज्ञा) दीपक, नरेश

देश (जातिवाचक संज्ञा) भारत, चीन

नीचे दिये गये वाक्यों में निर्देशानुसार उत्तर लिखें:

1. शरीर को पूर्णता अंगों के सहयोग से मिलती है। (भाववाचक संज्ञा छाँटें)
2. पड़ोसियों से सहयोग करना चाहिए। (संज्ञा शब्द छाँटकर उनका भेद लिखें)
3. सहयोग से कक्षा का वातावरण मैत्रीपूर्ण हो जायेगा। (जातिवाचक संज्ञा छाँटें)

उत्तर- (1) भाववाचक संज्ञा = पूर्णता (2) जातिवाचक संज्ञा = पड़ोसियों (घ) जातिवाचक संज्ञा = सहयोग

इन वाक्यों में से सर्वनाम शब्द अलग कर लिखें:-

(क) हम लाल किला देखने जायेंगे। (हम - सर्वनाम)

(ख) तुम्हें पता चल जायगा। (तुम्हें - सर्वनाम)

(ग) मैं आपको गाडी में बैठाकर आता हूँ । (मैं- सर्वनाम)

(घ) उसने कहा, "आपकी गाड़ी का समय होने वाला है।" (उसने, आपकी - सर्वनाम)

(ङ) उसे कन्हैया नगर स्टेशन से अधिकारियों ने हमारे आने की सूचना पहले ही दे दी थी। (उसे, हमारे - सर्वनाम)

इन वाक्यों में सर्वनाम शब्दों को रेखांकित करें तथा विशेषण शब्दों पर गोला लगायें।

(नोट: शब्दों पर गोला लगाने के स्थान पर उनका फॉण्ट बोल्ड कर दिया गया है)

(क) वे ***निपुण*** परीक्षक के रूप में ***प्रसिद्ध*** हो गये ।

(ख) वे ***अटूट*** साहस वाले व्यक्ति थे ।

(ग) उनका ध्येय ***राष्ट्रीय*** पुरस्कार या सम्मान पाना नहीं था।

(घ) पिता को उनका दाखिला ***चार*** वर्ष की आयु में ही ***प्रथम*** कक्षा में करवाना पड़ा।

(ङ) उन्हें ***सुरक्षित*** स्थान पर पहुँचाने का कार्य ***स्काड्रन लीडर*** अनिल शर्मा ने कर दिखाया।

नीचे दिये गये वाक्यों में निर्देशानुसार उत्तर लिखें:

सहयोग से लोहा भी सोना बन जाता है, उसका मूल्य सौ गुणा बढ़ जाता है। (यहाँ सर्वनाम कौन-सा है?)

निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों में कारक बतायें:-

(क) भास्कर रेलगाड़ी देखने के लिए प्लेटफार्म के नज़दीक जा पहुँचा । (सम्प्रदान कारक)

(ख) आज हम सभी मेट्रो रेल के द्वारा जायेंगे। (करण कारक)

(ग) प्रतिभा खिड़की वाली सीट पर बैठ गयी । (अधिकरण कारक)

(घ) सभी स्वचालित सीढ़ियों के द्वारा भूमिगत प्लेटफार्म पर पहुँच गये । (करण कारक)

(ङ) गुरु जी ने बच्चों को बड़े प्यार से समझाया । (कर्ता कारक)

(च) हमने राष्ट्रीय खेलों में भाग लिया । (अधिकरण कारक)

दिए गये संज्ञा शब्दों के लिए सही विशेषण शब्द चुनकर लिखें :-

रंग बिरंगे, पतली, चंचल, हरे-भरे, नोकीले, ऊँची, मेरी, गोल

हरे-भरे	-	पेड़	पतली	-	रस्सी	नोकीले	- पर
चंचल	-	चिड़िया	गोल	-	डिब्बे	ऊँची	- डाली
मेरी	-	ननद	रंग-बिरंगे	-	फूल		

नीचे लिखे वाक्यों में क्रियाएँ अकर्मक हैं अथवा सकर्मक:-

(1) हामिद हाथ फैलाता है।	सकर्मक
(2) अमीना ने छाती पीट ली।	सकर्मक
(3) वह रोने लगी।	अकर्मक
(4) लोग आपस में गले मिल रहे हैं।	सकर्मक
(5) ईदगाह जाने वालों की टोलियाँ नज़र आने लगीं।	सकर्मक
(6) बच्चों के लिए नगर की सभी चीजें अनोखी थीं।	सकर्मक
(7) स्कूल में वह सभी अध्यापकों की चहेती थी।	अकर्मक
(8) आकाश में विमानों को उड़ता देखकर वह उनकी ओर आकर्षित हो जाती थी।	सकर्मक
(9) वह स्नातकोत्तर की डिग्री लेने के लिए अमेरिका पहुँच गई।	सकर्मक
(10) कल्पना ने 19 नवम्बर 1997 को अन्तरिक्ष में अपनी पहली उड़ान भरी।	सकर्मक
(11) प्रत्येक मनुष्य सपने देखता है।	सकर्मक
(12) बड़े होने पर कल्पना ने अपने सपने को साकार कर दिखाया ।	सकर्मक
(13) नासा ने उसे एक बार फिर अन्तरिक्ष यात्रा के लिए चुना।	सकर्मक

निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया विशेषण शब्द छाँटकर सामने लिखें:-

मैं जल्दी-जल्दी काम निपटा कर उसी चौराहे पर पहुँची।	जल्दी-जल्दी
वह मेरी तरफ एकटक देखने लगा।	एकटक
वह गाड़ी के पास आकर झट से बोला।	झट से
मैं कल आऊँगी।	कल
वह उधर बैठी है।	उधर

निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया विशेषण को रेखांकित करके उसका भेद भी लिखें-

वाक्य	क्रिया विशेषण का भेद
(क) ये लोग क्यों <u>धीरे-धीरे</u> चल रहे हैं?	रीतिवाचक क्रिया विशेषण
(ख) <u>इधर</u> दुकानों की कतार लगी हुई है।	स्थानवाचक क्रिया विशेषण
(ग) <u>आज</u> ईद आ गई।	कालवाचक क्रिया विशेषण
(घ) उसने <u>कुछ</u> नहीं खाया।	परिमाणवाचक क्रिया विशेषण
(ङ) वह <u>जोर से</u> चिल्लाया।	रीतिवाचक क्रिया विशेषण

॥.पाठ्य पुस्तक के कविता भाग के अभ्यासों में से चार अति लघूत्तर बहुवैकल्पिक उत्तरों वाले प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। 4x1=4

इन प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें:-

(1) कवि के अनुसार किन लोगों की हार नहीं होती?

उत्तर- कवि के अनुसार हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती।

(2) नन्हीं चींटी की क्या विशेषता है?

उत्तर- बार-बार फिसलने पर भी वह हार नहीं मानती है।

(3) गोताखोर सिन्धु में डुबकियाँ क्यों लगाता है?

उत्तर- मोती निकालने के लिए ।

(4) हिम्मत करने वालों को असफलता को किस रूप में स्वीकार करना चाहिए?

उत्तर- हिम्मत करने वोलों को असफलता को चुनौती के रूप में स्वीकार करना चाहिए।

(5) लता कहाँ पर फूली नहीं समाती?

उत्तर - लता वन में फूली नहीं समाती।

(6) राखी का त्योहार किस दिन होता है?

उत्तर-राखी का त्योहार श्रावण की पूर्णिमा को होता है ।

(7) 'राखी की चुनौती' कविता में आई बहन का भाई कहाँ गया है?

उत्तर- भारत माता को स्वतंत्र करवाने के लिए जेलखाने गया है ।

(8) 'राखी की चुनौती' कविता में बहन किस को बधाई देती है?

उत्तर- जिन बहनों को भाई मिले हैं।

(9) 'राखी की चुनौती' कविता स्वतंत्रता से पहले लिखी गई या है बाद में?

उत्तर- यह कविता (राखी की चुनौती) स्वतंत्रता से पहले लिखी गई है।

(10) इस (नवयुवकों के प्रति) कविता के कवि का नाम लिखें।

उत्तर- 'नवयुवकों के प्रति' कविता के कवि का नाम मैथिलीशरण गुप्त है।

(11) नवयुवकों के प्रति कविता किन्हें संबोधित की गई है?

उत्तर- नवयुवकों के प्रति कविता 'नवयुवकों' को संबोधित की गई है।

(12) नवयुवकों के सम्मुख कौन-से दो पथ हैं? उन्हें किस पथ का चुनाव करना चाहिए?

उत्तर- असंयम और संयम दो पथ हैं। उन्हें दूसरे पथ अर्थात संयम का चुनाव करना चाहिए।

(13) 'रब्बा मींह दे-पानी दे' कविता में ईश्वर से क्या प्रार्थना की गई है?

उत्तर - ईश्वर से बारिश की प्रार्थना की गई है।

(14) 'रब्बा मींह दे-पानी दे' कविता में 'खेतों में सोना' का क्या अर्थ है?

उत्तर- 'खेतों में सोना' का अर्थ है- सोने जैसी कीमती फसल।

(15) पानी के बिना मवेशी और खेतों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर- पानी के बिना मवेशी मर जाते हैं और फसलें सूख जाती हैं।

(16) 'रब्बा मींह दे-पानी दे' कविता में देश के प्रत्येक नागरिक को क्या सीख दी गई है?

उत्तर- पानी प्रदूषित या व्यर्थ नहीं करना चाहिए।

(17) माँ किसका वरदान है?

उत्तर- माँ ईश्वर का वरदान है।

(18) माँ समय के रूप में क्या करती हैं?

उत्तर- माँ हर क्षण का एहसास करवाती है।

(19. हर विपदा को हराने पर माँ को क्या कहा गया है?

उत्तर- हर विपदा को हराने पर माँ को हिमालय कहा गया है।

(20) माँ का हथियार क्या है?

उत्तर माँ का हथियार साहस है।

(21) माँ बाती के रूप में क्या करती है?

उत्तर- माँ बाती के रूप में ममता का प्रकाश फैलाती है।

(22) खुशी के आँसू बहाने पर माँ को क्या कहा गया है?

उत्तर- खुशी के आँसू बहाने पर माँ को उत्सव कहा गया है।

(23) माँ गोरैया कब बन जाती है?

उत्तर- जब खुद कम खाकर माँ बच्चों को ज़्यादा खिलाती है तब माँ गोरैया बन जाती है।

(24) आगे बढ़ने का गीत सुनाने पर माँ को क्या पुकारा गया है?

उत्तर- आगे बढ़ने का गीत सुनाने पर माँ को नदी पुकारा गया है।

(25) इस कविता में माँ का उपहार क्या बताया गया है?

उत्तर - इस कविता में माँ का उपहार सहनशीलता को बताया गया है।

(26) माँ के चरणों में किस का द्वार है?

उत्तर - माँ के चरणों में स्वर्ग का द्वार है।

(27) बिना विचार के काम करने से क्या होता है?

उत्तर- बिना विचार के काम करने से काम बिगड़ जाता है और जग हँसाई होती है।

(28) कवि के अनुसार प्रायः दोस्त कैसे होते हैं?

उत्तर- कवि के अनुसार प्राय: दोस्त स्वार्थी होते हैं ।

(29) चार-दिन का मेहमान कौन है?

उत्तर- धन चार दिन का मेहमान होता है ।

(30) प्रायः मनुष्य अभिमान क्यों करता है?

उत्तर- प्राय: मनुष्य अपनी धन-दौलत दिखाने के लिए ही अभिमान करता है।

॥.पाठ्य-पुस्तक में से बहुवैकल्पिक उत्तरों से सम्बन्धित तीन कठिन शब्दों के अर्थ पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। 3x1=3

हिम्मत - हौसला
सिंधु - सागर
चैन - आराम
उपहार - भेंट
ज़ालिम - ज़ुल्म करने वाला
असमंजस - कुछ न सूझना
निहारना - प्यार से देखना
अवलम्ब - सहारा
मूल्यवान - कीमती
अल्प - थोड़ा
दुर्भाग्यवश - बदकिस्मती से
सक्षम - समर्थ
कौमार - कुमार/यौवन की अवस्था
संकेत - इशारा
अपनापन - आत्मीयता
विकलांग - अंग से हीन
अस्थि - हड्डी
कंठहार - गले का हार
रब्बा - प्रभु , परमात्मा
विपन्नता - गरीबी
हिंडोला - झूला
प्राचार्य - स्कूल का मुखिया
मर्यादित- प्रतिष्ठित
अवलम्बित - निर्भर
बार्डर - सीमा, हद
प्रतिमा - मूर्ति
सौहार्द - सद्भाव

नैया- नाव
सहज ही - आसानी से
दूत - हरकारा, संदेश पहुँचाने वाला
अपाहिज – अपंग
विषमता - असमता
नीड़ - घोंसला
निश्चिंत - बेफिक्र
आशंकित - शंका होना
मेधावी - तीव्र बुद्धि वाला, ज्ञानी
सीमा-भेदन - सीमा तोड़ना
परामर्श - सलाह
योग - सहयोग
धरो - धारण करो
पारखी - परखने वाला
अन्तर्गत - भीतर समाया हुआ
अनथक - न थकने वाला
अन्यत्र - दूसरी जगह, और कहीं
बुलंदी - ऊँचाई, उत्कर्ष
मींह - वर्षा
आतुर - व्याकुल
अभिवादन - सम्मान करना
वरिष्ठ - पद या क्रम में बड़ा
मदमस्त - मद में चूर
सतत - निरन्तर, लगातार
आदमक़द - मनुष्य के आकार का
सैलानी - पर्यटक
मुस्तैदी - तेज़ी

रग - नाड़ी, नस
चुनौती - ललकार
निरीक्षण - जाँच-पड़ताल,
भादो - एक देसी महीना,
चुनौती - ललकार
सीख - शिक्षा
अचेत - मूर्च्छित, बेसुध,
लालायित - इच्छुक
मूल्याँकन - मूल्य आँकना
ध्येय - लक्ष्य
एकमात्र - अकेला
देशोद्धार - देश का उद्धार करना
धर्माचरण - धर्म के अनुसार व्यवहार
अनसुनी - ध्यान न देना
दयनीय अवस्था - दीन-हीन हालत
दूषित - गंदा, मैला
व्यक्तित्व - व्यक्ति की विशेषता
जज़्बा - जोश, भावना
मवेशी - पशु
विपदा- संकट
शिलान्यास - नींव पत्थर रखना
फ़रमान - आदेश
कपोतराज - कबूतरों का राजा
प्रतिद्वन्द्वी - विरोधी

एकमात्र - अकेला
क्षमता - सामर्थ्य

हौसला अफजाई - धैर्य बढ़ाना	बेगरज़ी - नि:स्वार्थ	चैन - शान्ति
पाहुन - अतिथि, मेहमान	नेपथ्य - पर्दे के पीछे	घटक - तत्त्व
जीवनदायी - जीवन देने वाली	अस्तित्व - होंद, होने का भाव	दैत्य - राक्षस
क्षमता - सामर्थ्य	प्रवृत्ति - मन का झुकाव	बरबस - जबरदस्ती
अंतरिक्ष - खगोल	परखचे - टुकड़े-टुकड़े, धज्जियाँ	स्वराज्य - अपना राज्य,
झंडा - परचम	भाल - मस्तक, माथा	मुराद - इच्छा
सौगंध - कसम	बवंडर - तूफान	विस्फोट - धमाका

अन्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न (17)

नोट: इसमें 'हाँ/ नहीं' अथवा 'रिक्त स्थानों की पूर्ति ' अथवा 'सही/गलत' अथवा 'मिलान कीजिए", 'एक शब्द' अथवा 'एक वाक्य में उत्तर दें' किसी भी प्रकार के हो सकते हैं। प्रश्न पत्र निर्माता इनमें से किसी भी प्रकार से निम्नलिखित अनुसार यथोचित प्रश्न पूछ सकता है।

(V) पाठ्य-पुस्तक में से लिंग बदलो, वचन बदलों, विपरीत शब्द, भाववाचक संज्ञा निर्माण, विशेषण निर्माण, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, विराम चिहन से सम्बन्धित उत्तरों वाले प्रश्नों में से छह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। 6x1=6

(VI) पाठ्य-पुस्तक में से पुरुष, काल, वाच्य, संबंधवोधक, योजक तथा विस्मयादिबोधक की पहचान, 'र' के विभिन्न रूप से सम्बन्धित उत्तरों वाले प्रश्नों में से छह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होंगा। 6x1=6

इन शब्दों के लिंग बदले:-

सम्राट - सम्राज्ञी	शेर - शेरनी	महाराज - महारानी
नौकर - नौकरानी	किशोर - किशोरी	राजा - रानी
बूढ़ा - बुढ़िया	लड़की - लड़का	दादा - दादी
धोबिन - धोबी	ऊँट - ऊँटनी	छात्रा - छात्रा
अध्यापक - अध्यापिका	शिष्य - शिष्या	नायक - नायिका
सुत - सुता	सेवक - सेविका	प्रिय - प्रिया
गायक - गायिका	लेखक - लेखिका	सदस्य - सदस्या
खलनायक - खलनायिका		

वचन बदलें:-

पिंजरा - पिंजरे	सभा - सभाएँ	मूर्ति - मूर्तियाँ
यह - ये	बूँद - बूँदें	मंदिर - मंदिरों
खेल - खेलों	पंकित - पक्तियाँ	वृद्ध - वृद्धों
सीढ़ी - सीढ़ियाँ	स्टेशन - स्टेशनों	खिड़की - खिड़कियाँ
बंदूक - बंदूकें	चिमटा - चिमटे	पैसा - पैसे
आलोचना - आलोचनाएँ	खिलौना - खिलौने	टोली - टोलियाँ

इन वाक्यों में रेखांकित शब्दों के वचन बदल कर वाक्य पुनः लिखें।

(1) <u>यह तिनका है</u>।	ये तिनके हैं।
(2) मुझे <u>रस्सा</u> दो।	मुझे रस्से दो।
(3) मेरी <u>आँख</u> में दर्द है।	मेरी आँखों में दर्द है।
(4) मेरे पास <u>कहानी</u> की <u>पुस्तक</u> है।	मेरे पास कहानियों की पुस्तकें हैं।
(5) <u>यह</u> सूती <u>कपड़ा</u> है।	ये सूती कपड़े है।
(6) अपनी पेंसिल मुझे दो।	अपनी पेंसिलें मुझे दो।
(7) <u>सड़क</u> को लोहे के <u>गेट</u> द्वारा बन्द किया गया है।	सड़कों को लोहे के गेटों द्वारा बन्द किया गया है।
(8) चारों ओर कँटीली <u>तार</u> लगी हुई है	चारों ओर कँटीली तारें लगी हुई हैं।
(9) <u>वह</u> अपने भावों को नृत्य द्वारा प्रकट <u>करता</u> है।	वे अपने भावों को नृत्य द्वारा प्रकट करते हैं।

(10) अपने-अपने देश के झण्डे उतार लेते हैं। अपने-अपने देशों के झण्डे उतार लेते हैं।

विपरीत शब्द

नन्हीं - बड़ी	मेहनत - आलस्य	विश्वास - अविश्वास
सफल - असफल	हार - जीत	साहस - कायरता
पुराना - नया	अनेक - एक	असफल - सफल
धरती - आकाश	सुविधा - असुविधा	सुर - असुर
सहयोग - असहयोग	भिन्न - अभिन्न	कमज़ोर - ताकतवर
अमावस - पूर्णिमा	पराधीनता - स्वाधीनता	अमंगल - मंगल
कठोर - कोमल	मुक्ति - बंधन	परिचित - अपरिचित
धूप - छाया	आगमन - निर्गमन	उपलब्ध - अनुपलब्ध
दर्शक - श्रोता	अचेत - सचेत	
निर्माण - ध्वंस / नाश	साधारण - असाधारण	टूट - अटूट
समय - असमय	थक - अथक	सफल - असफल
न्याय - अन्याय	संयम - असंयम	शुभ - अशुभ
धर्म - अधर्म	विश्वास - अविश्वास	नाराज़गी - प्रसन्नता
अपनापन - परायापन	इन्कार - इकरार	साकार - निराकार
बदकिस्मत - खुशकिस्मत	सहमति - असहमति	विवेक - अविवेक
आगे - पीछे	धीरे - तेज़	धूप - छाँव
वरदान -अभिशाप	जीवन - मरण	स्वीकार - अस्वीकार
प्रेम - घृणा	विस्तार - संक्षेप	सदाचार - दुराचार
जय - पराजय	सहयोग असहयोग	भाव - अभाव
असभ्य सभ्य	सुविधा असुविधा	अंधेरा - उजाला
मुक्त - बंदी	बहुमत - अल्पमत	दुर्बल - सबल

भाववाचक संज्ञा बनाएँ:

पूर्ण - पूर्णता	पशु - पशुता	मित्र - मित्रता
आवश्यक - आवश्यकता	मानव - मानवता	मनुष्य – मनुष्यता
सभ्य – सभ्यता	प्रसन्न प्रसन्नता	

विशेषण बनायें :-

अनुमान - अनुमानित	सुरक्षा - सुरक्षित	परिचय - परिचित
आशंका - आशंकित	स्थापना - स्थापित	केंद्र - केंद्रीय
नगर - नागरिक	ईमानदारी - ईमानदार	समाज - सामाजिक
परेशानी - परेशान	प्रकृति - प्राकृतिक	प्रसिद्धि - प्रसिद्ध
अंतर - आन्तरिक	शांति - शांत	शरीर - शारीरिक
सच्चाई - सच्चा	प्रथम - प्राथमिक	कमज़ोरी - कमजोर
रेखांकन - रेखांकित	आकर्षण - आकर्षित	उत्साह - उत्साहित
प्रोत्साहन - प्रोत्साहित	इतिहास - ऐतिहासिक	व्यापार - व्यापारिक
परस्पर - पारस्परिक	भारत - भारतीय	राष्ट्र - राष्ट्रीय

'इत' और 'इक' शब्दांश लगाकर विशेषण बनायें:

इंसान + इत - इंसानियत	रसायन + इक - रासायनिक	सुरक्षा + इत - सुरक्षित
समाज + इक - सामाजिक	सम्बन्ध + इत - सम्बन्धित	भूगोल + इक - भौगोलिक
परिवार + इक - पारिवारिक	आमंत्रण + इत - आमंत्रित	

अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द लिखें:-

सूर्य का उदय होना - सूर्योदय
समय का अभाव - समयाभाव
जिसकी जानकारी न हो - अपरिचित, अज्ञात
पक्षी जगत की जानकारी रखने वाला - पक्षी विशेषज्ञ, पक्षीविद्
देश की रक्षा के लिए कुर्बान होना - कुर्बानी, शहादत, शहीदी
अपने आप पर भरोसा होना - आत्मविश्वास
वायुयान चलाने वाला - वायुयान चालक
घुसपैठ करने वाला - घुसपैठिया
गले का हार - कंठहार
अपने पर विश्वास होना - आत्मविश्वास
कानों को प्रिय लगने वाला - कर्णप्रिय
जिसका पार ना हो - अपार
बिना स्वार्थ के - नि:स्वार्थ
अच्छा व्यवहार - सद्व्यवहार
शिष्टता पूर्ण आचरण एवं व्यवहार - शिष्टाचार
देखने वाला - दर्शक
जिसकी जानकारी हो चुकी हो - परिचित, ज्ञात
बिना पलक झपकाए - अपलक
कभी न थकने वाला - अथक
जिसे किसी का डर न हो - निडर
समय से पूर्व - असमय
बचपन की ज़िद्द - बालहठ
जिसे आँखों से दिखाई न देता हो - नेत्रहीन
संगीत देने वाला - संगीतकार
जिसका कोई मोल ना हो - अनमोल
आविष्कार करने वाला - आविष्कारक
किसी का उत्साह बढ़ाना - उत्साह वर्धन
माँ का बच्चे के प्रति प्यार - वात्सल्य
जिसे गिना न जा सके - अनगिनत

विराम चिन्ह लगायें:-

(1) किशोर ने मुस्कुराते हुए कहा वह देखिए महामंत्री - किशोर ने मुस्कुराते हुए कहा, "वह देखिए, महामंत्री।"
(2) शेर को कौन बाहर निकाल सकता है सहसा सम्राट ने गुस्से से कहा - "शेर को कौन बाहर निकाल सकता है?" सहसा सम्राट ने गुस्से से कहा।
(3) किशोर ने सिर झुका कर कहा महाराज शेर पिंजरे से बाहर आ गया है। - किशोर ने सिर झुका कर कहा, "महाराज! शेर पिंजरे से बाहर आ गया है।"
(4) बच्चो आप सब कैसे हो - बच्चो! आप सब कैसे हो ?
(5) क्या आपको इसका पूरा नाम पता है। - क्या आपको इसका पूरा नाम पता है?
(6) हाँ सावधानी ज़रूर रखनी होगी - हाँ, सावधानी ज़रूर रखनी होगी ।
(7) ओ शरारती वहाँ इस तरह की फिल्में नहीं होतीं - ओ शरारती! वहाँ इस तरह की फिल्में नहीं होती ।
(8) दीपशिखा पढ़ाई के साथ साथ संगीत खेलकूद ज्ञान विज्ञान में सब से आगे रहती थी - दीपशिखा पढ़ाई के साथ-साथ संगीत, खेलकूद, ज्ञान-विज्ञान में सब से आगे रहती थी।

निम्नलिखित में से काल को पहचान कर लिखिए: -

(1) दीदी, आओ! आपको कुछ दिखाती हूँ। वर्तमान काल
(2) उन्हें अपलक देख कर मैं फूला नहीं समा रही थी। भूतकाल
(3) यह भी एक दिन उस चिड़िया की तरह उड़ जाएगी। भविष्य काल
(4) अनेक चिड़ियों को फुदकता देखकर हम अपनी चिड़िया पहचान लेते थे। भूतकाल

उपयुक्त वाच्य की पहचान कीजिए:

(क) आपने मुझे कल बिस्कुट दिए थे। (कर्तृवाच्य या कर्मवाच्य या भाववाच्य)
(ख) मैंने दोपहर से कुछ नहीं खाया। (कर्तृवाच्य या कर्मवाच्य या भाववाच्य)
(ग) उससे रहा नहीं गया। (कर्तृवाच्य या कर्मवाच्य या भाववाच्य)
(घ) बच्चे डबल रोटी खा रहे थे। (कर्तृवाच्य या कर्मवाच्य या भाववाच्य)
(ङ) लड़के के द्वारा पैसे गिने जा रहे थे। (कर्तृवाच्य या कर्मवाच्य या भाववाच्य)
उत्तर:- (क) कर्तृवाच्य, (ख) कर्तृवाच्य, (ग) भाववाच्य, (घ) कर्तृवाच्य, (ङ) कर्मवाच्य

निम्नलिखित में से उचित संबंधबोधक शब्द लगाकर वाक्य पूरे करें:

(1) हामिद का बाप अमीना _____ और कौन है। (के साथ, के सिवा) के सिवा

(2) रमज़ान के पूरे तीस रोजों _____ ईद आई है। (के बाद, के साथ) के बाद

(3) हामिद बच्चों _____ जा रहा था। (के सिवा, के साथ) के साथ

(4) हामिद तो मोटर _____ आते-आते बचा। (के नीचे, के बाद) के नीचे

(5) नदी के किनारे एक गाँव था। (सम्बन्धबोधक अव्यय छाँटें) के किनारे

निम्नलिखित वाक्यों में उचित योजक लगाकर वाक्य पूरे करें:-

(1) मोहसिन इतना उदार नहीं है ***लेकिन*** वह जानकर भी उसके पास जाता है। (क्योंकि/ लेकिन)

(2) ***अगर*** वह चिमटा ले जाकर दादी को दे दे तो कितनी प्रसन्न होगी। (अगर...तो/ यद्यपि... तथापि)

(3) हामिद बड़ा चालाक है ***इसलिए*** अपने पैसे बचा कर रखे थे। (इसलिए /परन्तु)

(4) वे बार-बार अपनी जेबों से अपना खज़ाना निकाल कर गिनते हैं ***और*** खुश होकर फिर रख लेते हैं। (या /और)

(5) हामिद ने चिमटे को इस तरह कन्धे पर रखा ***मानो*** बंदूक हो। (मानो/ताकि)

(6) अमीना हामिद की आवाज़ सुनते ही दौड़ी ***और*** उसे गोद में उठाकर प्यार करने लगी। (या /और)

(7) तुम्हारी उँगलियाँ तवे से जल जाती थीं ***इसलिए*** मैंने इसे लिया। (क्योंकि /इसलिए)

(8) ***यदि*** उन्होंने अनुमति दी ***तो*** हम साइंस सिटी देखने कपूरथला जायेंगे। (यद्यपि.....तथापि, यदि.....तो)

(9) ऐसा लगता है ***मानो*** सब कुछ आपके पास हो रहा है। (ताकि, मानो)

(10) इनके मुँह में हाथ मत डालना ***नहीं तो*** दुर्घटना हो सकती है। (नहीं तो, यानि)

(11) यहां 3ड़ी में एक खास तरह का चश्मा पहनकर शो देखा जाता है ***जिससे कि*** दूर स्क्रीन पर दिखाए जा रहे चित्र आपके सामने लगते हैं। (और, जिससे कि)

(12) हमने वहाँ बोटिंग की ***और*** डायनासोर देखे। (या, और)

(13) मैंने वहाँ देखा तो सब कुछ था ***परन्तु*** कुछ याद नहीं आ रहा। (चाहे, परन्तु)

(14) बच्चे माता-पिता की आज्ञा का पालन करते हैं ***और*** अपना काम मन लगा कर करते हैं।

उचित विस्मयादिबोधक शब्द लेकर रिक्त स्थान भरें:-

(1) ***अरे !*** तुम पढ़ोगे नहीं? (वाह, अरे)

(2) ***हाँ !*** तुमने ठीक पहचाना। (उफ, हाँ)

(3) ***उफ !*** बड़े दुःख की बात है। (अहा, उफ)

(4) ***अच्छा !*** हम तुम्हारा इन्तज़ार करेंगें। (हाय, अच्छा)

(5) ***वाह !*** बहुत अच्छा किया। (वाह, आह)

(7) ***वाह !*** विधानसभा में बम लेकर जायें।

(8) ***अरे वाह !*** हम मस्तानों का टोला आज़ादी का डोला लायेंगे।

(9) ***अरे !*** तुम्हें जिंदगी अच्छी नहीं लगती।

(10) ***वाह !*** यही ठीक रहेगा।

(11) ***वाह !*** उसने देश का नाम उज्ज्वल कर दिया।

(12) ***अहा !*** देखना, एक दिन हम दीवानों की टोली आज़ादी की दुल्हन को ब्याह लायेगी।

'र' के विभिन्न रूप

सामान्य [र] : भारत, राणा, द्वारा , चारों, शहर, तारकोल

रेफ [‘] : स्पर्श, अर्जुन, दुर्लभ, कार्बन

पदेन [,] : अष्टावक्र, ब्रेल, माइक्रोफोन, रेफ्रिजरेटर, प्रदूषण, प्रतिशत

पदेन [^] : रवीन्द्र, महाराष्ट्र, केन्द्रित, अल्ट्रा, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन

निम्नलिखित शब्दों में 'र' आधा है या पूरा ?

बार्डर - आधा	राष्ट्रीयता - पूरा	ब्रिटिश - पूरा
रेंजर्ज़ - आधा	रिट्रीट - पूरा	ट्रक - पूरा
दर्शक - आधा	कार्य - आधा	मार्ग - आधा
प्रकट - पूरा		

भाग-ग अनुवाद (2)

(ii) पाठ्य-पुस्तक में से पंजाबी के दो वाक्य देकर उनमें से किसी एक का हिंदी में अनुवाद करने के लिये कहा जाएगा। 1x2=2

नीचे लिखे वाक्यों का हिंदी में अनुवाद करें:- 4

1. ਹਾਮਿਦ ਤਾਂ ਮੋਟਰ ਦੇ ਹੇਠਾਂ ਆਉਂਦਾ - ਆਉਂਦਾ ਬਚਿਆ। (हामिद तो मोटर के नीचे आते - आते बचा।)
2. ਉਸਦਾ ਚਿਮਟਾ ਰੁਸਤਮੇ-ਹਿੰਦ ਹੈ। (उसका चिमटा रुस्तमे-हिन्द है।)
3. ਤੇਰੀਆਂ ਉਂਗਲਿਆਂ ਤਵੇ ਨਾਲ ਸੜ ਜਾਂਦੀਆਂ ਸਨ। (तुम्हारी उँगलियाँ तवे से जल जाती थीं।)
4. ਗਰਮੀ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਸਕੂਲ ਦਾ ਪਹਿਲਾ ਦਿਨ ਸੀ। (गर्मी के बाद स्कूल का पहला दिन था ।)
5. ਇਹ ਅਸਲੀ ਡਾਇਨਾਸੋਰ ਨਹੀਂ ਹਨ। (ये असली डायनोसोर नहीं हैं।)
6. ਹੈਲਥ ਗੈਲਰੀ ਵਿੱਚ 12 ਫੁੱਟ ਉੱਚਾ ਦਿਲ ਦਾ ਮਾਡਲ ਸੀ। (हेल्थ गैलेरी में 12 फुट लम्बा दिल का मॉडल था।)
7. ਸਾਰੇ ਬੱਚੇ ਇੱਕਠੇ ਹੱਸ ਪਏ। (सभी बच्चे एक साथ हँस पड़े।)
8. ਅਧਿਆਪਕਾ ਸਟਾਫ ਰੂਮ ਵੱਲ ਚੱਲ ਪਈ। (अध्यापिका स्टाफ रूम की ओर चल दीं ।)
9. ਇਹ ਧਰਤੀ ਤੇ ਜੀਵਨ ਦਾ ਮੂਲ ਅਧਾਰ ਹੈ। (यह पृथ्वी पर जीवन का मूल आधार है ।)
10. ਉਸ ਪਿੰਡ ਵਿੱਚ ਸੜਕ ਬਣ ਰਹੀ ਹੈ। (उस गाँव में सड़क बन रही है।)
11. ਅੱਗੇ ਦੀ ਆਵਾਜ਼ ਹਾਸੇ ਵਿੱਚ ਦੱਬ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। (अगली आवाज़ हँसी में दब जाती है।)
12. ਅੱਜ ਮੇਰੇ ਜੀਵਨ ਨੂੰ ਖਤਰਾ ਲੱਗ ਰਿਹਾ ਹੈ। (आज मेरे जीवन को खतरा लग रहा है।)
13. ਪਾਣੀ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਜੀਵਨ ਕਿਵੇਂ ਸੰਭਵ ਹੋਵੇਗਾ। (पानी नहीं तो जीवन कैसे संभव होगा?)
14 ਇਹ ਉਸਦਾ ਮਨਪਸੰਦ ਵੀਸ਼ਾ ਸੀ। (यह उसका मनपसंद विषय था।)
15. ਉਹ ਆਪਣੇ ਪਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚ ਸਭ ਤੋਂ ਛੋਟੀ ਸੀ। (वह अपने परिवार में सब से छोटी थी।)
16. ਕਲਪਨਾ ਚਾਵਲਾ ਨੂੰ ਸੰਗੀਤ ਬਹੁਤ ਪਸੰਦ ਸੀ। (कल्पना चावला को संगीत बहुत पसंद था।)
17. ਉਹ ਜਹਾਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਉਡਾਉਣ ਵਿੱਚ ਪਹਿਲਾਂ ਤੋਂ ਹੀ ਮਾਹਿਰ ਸੀ। (वह जहाज़ों को उड़ाने में पहले से ही माहिर थी।)
18. ਅੱਜ ਵੀ ਉਹ ਸਾਰਿਆਂ ਦੇ ਦਿਲਾਂ ਤੇ ਰਾਜ ਕਰਦੀ ਹੈ। (आज भी वह सभी के दिलों पर राज करती है।)

जैसे आप सभी को पता है कि यह भाग कुल 36 अंको का बनता है तो सभी अध्यापक साथी अपनी समझ अनुसार छात्रों की तैयारी करवाएँ। इस प्रयास में यदि कोई कमी या टाइपिंग सम्बधित त्रुटी रह गयी हो तो ईमेल dkdrmn@gmail.com के माध्यम से सूचित ज़रूर करें।

धन्यवाद

तैयार कर्ता - दीपक कुमार 'दीपक', हिंदी अध्यापक, सरकारी मिडिल स्कूल, मानवाला, बठिंडा

संशोधन- डॉ.राजन, हिंदी मास्टर स.मि. स्कूल लोहारका कलां, अमृतसर

संशोधन- डॉ.सुमन सचदेवा, हिंदी अध्यापिका,स.ह. स्कूल (लड़के) मंडी हरजीराम, मलोट

सहयोग- कुलदीप सिंह हिंदी मास्टर, स.स.स.स. माहीनंगल, बठिंडा

रजनी गोयल, हिंदी अध्यापिका, स (क).स.स. स्कूल, रामां बठिंडा